SOD-A707-T2539

"रांगेय राघव के 'कब तक पुकारूँ' उपन्यास में आँचलिकता"

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल.(हिंदी)उपाधि
के लिए प्रस्तुत लघु-शोध प्रबन्ध

शोधछात्र

श्री जगन्नाथ आबासो पाटील
एम्. ए. (हिंदी)

शोधनिर्देशक

डॉ. वसंत केशव मोरे
एम्. ए., पीएच्. डी.
भूतपूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
तथा
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद
एवं
सदस्य, महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

जनवरी, १९९५